

This question paper contains 3 printed pages]

## HPAS (Main)—2016

### ESSAY (Compulsory)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

- Note :—
- \* Write *two* essays, choosing *one* each from Sections A and B.
  - \* The attempt has to be in the same language, either English or Hindi.
  - \* Each attempt should be in about 900 words individually.
  - \* Credit will be given to aptness of format, correctness of expression and originality of thought.
  - \* The essays carry 50 marks each.

- निर्देश :—
- \* नीचे दिये खण्ड 'क' व 'ख' से एक-एक विषय चुनते हुए, कोई भी दो निबन्ध लिखिए।
  - \* दोनों निबंध एक भाषा में लिखे जाएँ : अंग्रेजी अथवा हिंदी में।

P.T.O.

- \* प्रत्येक निबन्ध लगभग 900 शब्दों में लिखा जाना अपेक्षित है।
- \* उत्तर में प्रारूप की सटीकता, भाषा की शुद्धता तथा मौलिक विचारों को श्रेय मिलेगा।
- \* प्रत्येक निबन्ध 50-50 अंक का है।

### Section-A

#### (खण्ड-क)

1. It's time to replace the culture of cricket by a culture of sports in India.

समय की माँग है कि भारत की क्रिकेट संस्कृति को खेल संस्कृति से बदल दिया जाए।

2. Youth being ensnared by technology.

तकनीक के जंजाल में घिरता युवा।

3. The intrinsic relations between unemployment and perfunctory education.

बेरोज़गारी व लचर शिक्षा के अंतरंग सम्बन्ध।

4. The equation between economic progress and receding relations.

आर्थिक उन्नति व खत्म होते रिश्तों का समीकरण।

## Section-B

## (खण्ड-ख)

1. The lasting solution to our ageing population lies in our social norms, not in old age homes.

हमारी उम्र दराज़ होती जनसंख्या का स्थायी हल हमारी सामाजिक परम्पराओं में है, न कि वृद्धाश्रमों में।

2. To empower women they need to be promoted in social hierarchy, not merely given education and jobs.

महिला सशक्तिकरण समाज व्यवस्था में स्त्रियों के बेहतर स्थान से होगा, न कि मात्र शिक्षा व रोज़गार से।

3. Even as loans get written off, the farmer's free-fall continues.

यद्यपि कृषि ऋण माफ हो रहे हैं, किसानों की अवनति पूर्ववत् जारी है।

4. The acute tussle between the globalising world and native revivalism.

भूमण्डलीकृत होते विश्व व पुनर्जागृत होते स्थानीय सरोकारों के मध्य तीव्र होता द्वन्द्व।